



जाट पुलिस वालों ने खेत में चोदा-2

“दोनों मेरे सामने खड़े थे और दोनों के ही लंड पैंट में तने हुए एक साइड में आकर लग गए थे। आस पास गेहूं के खेत थे चिड़िया की भी आवाज नहीं थी... बस
था तो रात का सन्नाटा... ..”

Story By: हिमांशु बजाज (himanshubajaj)

Posted: Friday, May 20th, 2016

Categories: [गे सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [जाट पुलिस वालों ने खेत में चोदा-2](#)

जाट पुलिस वालों ने खेत में चोदा-2

अभी तक आपने पढ़ा कि मैं दो जाट पुलिस वालों के साथ बाइक पर बीच में बैठा हुआ गांव की तरफ जा रहा था...

अब आगे की घटना...

एक स्पीड ब्रेकर आया और बाइक पर हल्का सा झटका लगते ही प्रवीण हल्का सा उछला और उसकी जिप का भाग मेरी गांड से बिल्कुल सट गया, अब उसकी बालों वाली छाती मेरी पीठ से बिल्कुल सट गई थी, उसकी जिप का एरिया मेरे चूतड़ों में घुसने को हो रहा था और उसकी मोटी मोटी गर्म जांघें मेरी नर्म नर्म जांघों से सटी हुई मुझे ऊपर से नीचे तक गर्म कर रही थीं..

आनन्द के मारे मेरी आंखें बंद होने लगीं थीं और मेरे शरीर का भार प्रवीण की ओर झुकता जा रहा था। मेरी गर्दन पर उसकी गर्म सांसें आकर लग रही थीं जिससे उसका मुझसे सटे होने का अहसास मेरी अन्तर्वासना की आग में घी का काम कर रहा था।

अगले स्पीड ब्रेकर पर से बाइक गुजरी और प्रवीण ने अपनी गांड उकसाते हुए अपनी जिप का हल्का सा झटका मेरे चूतड़ों पे मारा, मेरी धड़कन थोड़ी सी बढ़ गई.. मैंने जब ध्यान से महसूस किया तो लगा कि उसकी जिप में कोई कड़ी और मोटी सी चीज़ झटके मार रही है जिसका हल्का सा अहसास मुझे अपने नर्म चूतड़ों पर हो रहा था।

मैं समझ गया कि उसका लंड खड़ा हो चुका है और वो मेरे गोरे नर्म चूतड़ों में घुसना चाहता है। यह सोचकर मेरी हवस उफान पर आ गई और अगले स्पीड ब्रेकर पर मैंने भी अपनी गांड हल्की सी उठाते हुए उसकी जिप की तरफ धकेल दी।

बदले में उसने डंडा बाइक में फंसाते हुए अपना दूसरा हाथ मेरे पेट पर लाकर कस दिया और मेरे पेट को भींचने लगा। उसकी ठोड़ी अब मेरे कंधे पर थी, उसका उल्टा हाथ मेरी जांघ पर फिर रहा था और सीधा हाथ दूसरी तरफ से मेरे पेट को भींचते हुए उसकी छाती की तरफ खींच रहा था।

और इस आनंद में मैं यह भूल गया कि मेरा सीधा हाथ जगबीर की जांघ को मसल रहा है। जगबीर ने हरियाणवी भाषा में कहा- अरै प्रवीण के कर रया है (अरे प्रवीण क्या कर रहा है) प्रवीण बोला- करूंगा अब(करूंगा अब)

यह कहकर दोनों ठहाका मारकर हंसने लगे और जगबीर ने मेरा सीधा हाथ अपने हाथ से पकड़कर अपनी पैंट की जिप पर रखवा दिया।

हाथ रखते ही मैं तो कामवासना की अग्नि से जल उठा। उसका लंड उसकी जिप के नीचे झटके मार रहा था, मैंने भी वासना में आहें निकालते हुए उसके डंडे जैसे खड़े लंड को हाथ में पकड़ लिया और उसको सहलाने लगा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

उसका लंड और कड़ा हो गया और आनन्द के मारे उसने बाइक की स्पीड कम कर दी। इधर प्रवीण पीछे बैठे बैठे ही अपनी भारी सी गांड को हिलाता हुआ मेरे चूतड़ों में झटके मारने लगा था।

अब वह थोड़ा पीछे खिसका और मेरा उल्टा हाथ पकड़ते हुए पीछे ले गया और अपने झटके मार रहे लंड पर रख दिया।

मैं तो जैसे पागल हो गया.. दो पुलिसवालों के बीच में बैठा हुआ मेरे हाथ में आगे भी मोटा लंड और पीछे उससे भी मोटा लंड.. मैं दोनों को मस्ती में रगड़ने लगा..

और प्रवीण मेरी कोमल चूचियों को अपनी सख्त उंगलियों से मुट्ठी में भरकर जोर से भींचने लगा।

मेरी सिसकारियाँ निकलने लगीं...

जगबीर ने कहा- प्रवीण भाई, इब कंट्रोल ना हो रया.. (अब कंट्रोल नहीं हो रहा है)

यह कहते हुए उसने बाइक साइड में एक पेड़ के नीचे रोक दी और बंद करके चाबी निकाल ली।

प्रवीण अपनी दाईं टांग घुमाता हुआ बाइक से उतर गया और बाइक की साइड में आकर हमारी बगल में खड़ा हो गया।

डिवाइडर पर लगी लाइट से पीली रोशनी आ रही थी और उस रोशनी में प्रवीण की जिप की साइड में तना हुआ उसका लगभग 3 इंच मोटा और 7 इंच लंबा लंड झटके मार मार कर उसकी पैंट में बने तंबू को बार उछाल रहा था।

मैं एकटक उसके लौड़े को देखे जा रहा था..और मेरा उल्टा हाथ अभी भी आगे बैठे जगबीर के लंड पर ही कसा हुआ था, मैं प्रवीण के लंड को देखता हुआ उत्तेजना के शिखर पर था और जगबीर के लंड को मसले जा रहा था।

जगबीर बोला- पाड़ेगा के इसनै (इसको उखाड़ेगा क्या)

मैंने पकड़ थोड़ी हल्की की और प्रवीण के मर्दाना शरीर को निहारते हुए बार बार पैंट में झटके मारते उसके लंड को देखकर लार गिरा रहा था.. उसने भी मेरी इच्छा भांप ली थी और बोला- चिंता ना कर बेटा.. ये हाथ का डंडा और मेरा डंडा दोनों ही आज तेरे अंदर उतारने हैं..

यह कहकर वो जगबीर से बोला- नीचे ले आ इसको..

मैंने जगबीर के लंड से हाथ हटाया और बाइक से नीचे उतर गया।

मेरे नीचे आते ही जगबीर भी टांग घुमाता हुआ बाइक से नीचे आ गया..

दोनों मेरे सामने खड़े थे और दोनों के ही लंड पैट में तने हुए एक साइड में आकर लग गए थे। आस पास गेहूं के खेत थे चिड़िया की भी आवाज नहीं थी... बस था तो रात का सन्नाटा..

दोनों ने आस-पास देखा और एक दूसरे को देखकर मुस्कुराए।

प्रवीण बोला- आज तो सारी ठंड यही दूर करेगा..

यह कहकर प्रवीण मुझे पेड़ की तरफ धेकलते हुए बोला- चल बेटा.. आजा तू अब.. तेरी इच्छा मैं पूरी करता हूँ..

लेकिन जगबीर बीच में टोकते हुए बोला- रुक प्रवीण.. यहाँ सेफ नहीं है.. बाय चांस कोई आ गया तो बदनामी हो जाएगी.. थोड़ा अंदर ले चल इसे..

‘हाँ ठीक कह रहा है तू.. चल बाइक को यहीं झाड़ियों के पीछे लगा दे..’

जगबीर ने बाइक स्टार्ट की और झाड़ियों के पीछे लगाकर बंद कर दी। तब तक प्रवीण ने मेरा एक हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींचते हुए दूसरा हाथ अपनी पैट में खड़े लंड पर रखवा दिया और बोला- आ जा जान.. खुश कर दे आज तू..

मैं उसकी छाती के पास खड़ा हुआ उसके लंड को पैट के ऊपर से सहला रहा था और उसको मुंह में लेने के लिए बेताब था!

और अगले ही पल उसने मेरी गर्दन को दबाते हुए मुझे घुटनों के बल बैठाते हुए मेरा मुंह अपनी जिप पर लगा दिया, मेरे नर्म होंठ उसके सख्त लौड़े पर जा लगे और उसको कवर करने की कोशिश करने लगे लेकिन लंड बहुत ही मोटा और लंबा था..

मैं भी उसके लौड़े को पैट पर से चाटे जा रहा था।

जगबीर पास आकर बोला- साले अंदर ले चल इसको.. यहाँ सेफ नहीं है..

प्रवीण बोला- भोसड़ी के यहाँ क्या होटल खोल रखा है तन्नै (तूने)

जगबीर बोला- आंख खोल के देख, अंदर खेत में एक झोंपड़ी सी है.. चल वहाँ ले चल..

प्रवीण और मैंने नजर उठाई तो सच में वहाँ एक झोंपड़ी सी नजर आ रही थी जिसमें शायद एक बल्ब की रोशनी थी जो हल्की हल्की नजर आ रही थी।

जगबीर का लंड अब आधे तनाव में था और उसकी पैंट में वो और भी कहर ढा रहा था..

मन कर रहा था कि अपने मुंह में लेकर चूस चूस कर खड़ा करूं उसको..

यही सोचते हुए मैं उन दोनों के पीछे, पीछे झोंपड़ी की तरफ चल दिया।

आगे की कहानी बस जल्दी ही ..

आपका अंश बजाज..

himbajanshu@gmail.com

Other stories you may be interested in

दीदी चुदी अपने यार से

मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियाँ पढ़ी हैं. आज मेरा भी मन हुआ कि मैं भी आप लोगों के साथ एक कहानी शेयर करूँ. यह कहानी मेरी नहीं है बल्कि मेरी बहनों की है. कहानी शुरू करने से पहले मैं [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी क्लास का हैंडसम लड़का – गो स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, उम्मीद है, आप सब लोग ठीक होंगे. सबसे पहले मैं अपने बारे में बता देता हूँ, मेरा नाम प्रिंस दीप है. मेरी उम्र 18 साल है, फिजिकली में गोलमटोल हूँ. वैसे तो मैं नॉर्मल लड़कों की तरह ही [...]

[Full Story >>>](#)

पति से परेशान सलहज की चूत मारी

अन्तर्वासना के मेरे प्यारे सभी पाठकों आपको हैरी बवेजा का नमस्कार. पुराने दोस्त तो मुझे जानते होंगे, नये दोस्तों को मैं अपना परिचय दे देता हूँ. मेरी उम्र 35 साल की है. पंजाब का हूँ. बहुत दिनों बाद कहानी लिखने [...]

[Full Story >>>](#)

अन्तर्वासना पाठक का अजेय लंड

दोस्तो, मैं अर्पिता एक बार फिर हाजिर हुई हूँ मेरी जवानी की प्यास की कहानी लेकर. सबसे पहले तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मेरी पहली कहानी मेरी कुंवारी चूत की पहली चुदाई को इतना प्यार दिया. मुझे इतने सारे [...]

[Full Story >>>](#)

प्यारी बीवी की गांड चोदकर वीर्य भर दिया

नमस्ते दोस्तो, मैं कुमार सोलापुर से आपके लिये हमारी पति पत्नी की चुदाई की और एक नई सच्ची कहानी लेकर हाजिर हुआ हूँ. जिसे पढ़कर आपकी तबीयत जरूर खुश हो जाएगी. हम दोनों पति पत्नी जल्दबाजी में की गई चुदाई [...]

[Full Story >>>](#)

